Register Number:

DATE: 6-1-2021 (AM)

ST. JOSEPH'S COLLEGE (AUTONOMOUS), BANGALORE-27

B.Sc. HINDI – I SEMESTER

SEMESTER EXAMINATION: JANUARY 2021

HNS - 120: HINDI

Time- 2 1/2 hrs. Max Marks-70

(This paper has Two Printed pages & six Questions)

प्रश्न – 1. निम्नलिखित <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों का उत्तर लिखिए । **2 X 10 = 20**

1. 'भिक्षुक' कविता में कवि ने भिक्षुक की दैनीय अवस्था को चित्रित किया है, पठित कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
2. कवि दुष्यंत कुमार का जीवन परिचय लिखते हुए, पठित कविता का सारांश अपने शब्दों लिखिए ।
3. निर्मला पुतुल जी की कविता का सारांश लिखते हुए, उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न – 2. निम्नलिखित <u>किन्हीं दो</u> दोहों का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **2 X 8 = 16**

1. 'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि - गढ़ि काढ़ै खोट ।
   अन्तर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट ।।'
2. 'बाबूजी सच कहूँ- मेरी निगाह में
   न कोई छोटा है, न कोई बड़ा है
   मेरे लिये, हर आदमी एक जोड़ी जूता है
   जो मेरे सामने, मरम्मत के लिये खड़ा है ।'
3. 'रहिमन प्रीति ने कीजिए जस खीरा न कीन ।
   ऊपर से तो दिल मिला, भीतर फांकें तीन ।।'

प्रश्न – 3. निम्नलिखित प्रश्नों से <u>किसी एक</u> विषय पर टिप्पणी लिखिए । **1 X 06 = 06**

1. 'पीके' सिनेमा का सामान्य परिचय दीजिए ।
2. जग्गू का चरित्र चित्रण कीजिए ।

प्रश्न – 4. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का शब्दानुवाद हिंदी में कीजिए । **8 X 1 = 08**

1. Adjustment -
2. Density -
3. Gravity -

4. Correction -

5. Departure -

6. Conductor -

7. Equilibrium -

8. Liquefaction -

प्रश्न – 5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी <u>एक प्रश्न</u> का उत्तर लिखिए । **1 X 10 = 10**

1. 'कोविड – 19' का मूल्य (Basic) कारण क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।
2. 'कोविड – 19' की टीका कब तक तैयार होगी, यदि तैयार हुई भी तो क्या इससे मानव जाति की रक्षा होगी ? अपने विचार प्रकट कीजिए ।

प्रश्न – 6. निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षेपण करते हुए उचित शीर्षक दीजिए । **1 X 10 = 10**

मृत्यु की समस्या मानव-अस्तित्व और मानव खोज की सबसे प्रमुख समस्या है जीवन-ज्ञान, संघर्ष और फैंटेसी, इस सबके मूल में मृत्यु की भावना अथवा मृत्यु का खौफ काम करता रहता है । मानव अस्तित्व की सीमारेखा इसी ने स्थापित की है । ज्ञान की निरर्थकता, आनंद और रस की एकरसता, मानव संबंधों का अप्रत्यक्ष उपहास और अस्तित्व के प्रति गहरा अविश्वास, इन सबके भीतर मृत्यु काम करता रहा है । जीवन और जीवन के मूल्यों के रूप में किसी अंतिम वस्तु को इस सीमा के ऊपर स्थापित करने और उपलब्ध करने की व्याकुलता ही चिंतन प्रक्रिया को जन्म देती रही है, क्योंकि मृत्यु एक भयंकर अर्थहीनता को जन्म देती है । संपूर्ण मानव चिंतन और मानव अस्तित्व की निरर्थकता को संकेतित करती है । अत: मृत्यु मानव चिंतन का प्रमुख विषय है । मानव के अनवरत विद्रोह की गहरी प्रेरणा है । जिस 'रस' और 'अर्थ' की खोज में रचनाकार व्याकुल है, जिसे उसने सहज रूप में कभी जाना है कि यही वह वस्तु है जो समय की निरर्थकता और मानव अस्तित्व की निरर्थकता को काटती है, उसी को जब मृत्यु के भयंकर उपहास में शुभ होते हुए वह देखता है तो उसकी सच्चाई और उसकी स्थिति को वास्तविक रूप में जानने का प्रयत्न करता है ।